Volume 3, Issue 3, March 2017 ISSN NO: 2454 - 2326

North Asian International Research Journal Consortium

North Asian International Research Journal Of Multidisciplinary

Chief Editor
Dr. Nisar Hussain Malik

Publisher
Dr. Bilal Ahmad Malik

Associate Editor
Dr.Nagendra Mani Trapathi

NAIRJC JOURNAL PUBLICATION

North Asian International Research Journal Consortium

Welcome to NAIRJC

ISSN NO: 2454 - 2326

North Asian International Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi, Urdu all research papers submitted to the journal will be double-blind peer reviewed referred by members of the editorial board. Readers will include investigator in Universities, Research Institutes Government and Industry with research interest in the general subjects

Editorial Board

J.Anil Kumar Head Geography University of Thirvanathpuram	Sanjuket Das Head Economics Samplpur University	Adgaonkar Ganesh Dept. of Commerce, B.S.A.U Aruganbad
Kiran Mishra Dept. of Engligh,Ranchi University, Jharkhand	Somanath Reddy Dept. of Social Work, Gulbarga University.	Rajpal Choudhary Dept. Govt. Engg. College Bikaner Rajasthan
R.D. Sharma Head Commerce & Management Jammu University	R.P. Pandday Head Education Dr. C.V.Raman University	Moinuddin Khan Dept. of Botany SinghaniyaUniversity Rajasthan.
Manish Mishra Dept. of Engg, United College Ald.UPTU Lucknow	K.M Bhandarkar Praful Patel College of Education, Gondia	Ravi Kumar Pandey Director, H.I.M.T, Allahabad
Tihar Pandit Dept. of Environmental Science, University of Kashmir.	Simnani Dept. of Political Science, Govt. Degree College Pulwama, University of Kashmir.	Ashok D. Wagh Head PG. Dept. of Accountancy, B.N.N.College, Bhiwandi, Thane, Maharashtra.
Neelam Yaday Head Exam. Mat.K..M .Patel College Thakurli (E), Thane, Maharashtra	Nisar Hussain Dept. of Medicine A.I. Medical College (U.P) Kanpur University	M.C.P. Singh Head Information Technology Dr C.V. Rama University
Ashak Husssain Head Pol-Science G.B, PG College Ald. Kanpur University	Khagendra Nath Sethi Head Dept. of History Sambalpur University.	Rama Singh Dept. of Political Science A.K.D College, Ald.University of Allahabad

Address: -North Asian International Research Journal Consortium (NAIRJC) 221 Gangoo, Pulwama, Jammu and Kashmir, India -192301, Cell: 09086405302, 09906662570, Ph. No: 01933-212815,
Email: nairjc5@gmail.com, info@nairjc.com **Website:** www.nairjc.com

"स्वच्छ भारत अभियान में शिक्षक की भूमिका"

अजय कुमार शर्मा
पी०एच०डी० छात्र
एम०जे०पी० रूहेलखंड
विश्वविद्धालय, बरेली

स्वच्छ भारत का सपना महात्मा गाँधी जी द्वारा देखा गया था| स्वच्छता के सम्बन्ध मे महात्मा गाँधी जी ने कहा था कि स्वच्छता, स्वतंत्रता से ज्यादा जरुरी है| उनका मानना था कि स्वच्छता एवं निर्मलता दोनों ही शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ जीवन के लिए अनिवार्य है लेकिन आजादी के 67 वर्षो के बाद भी महात्मा गाँधी जी का सपना साकार नही हो सका है | आज जगह जगह गंदगी का अम्बार लगा हुआ है | बस स्टाप, रेलवे स्टेशन, घरों के आसपास, सार्वजानिक स्थानों पर कूड़ा पड़ा रहता है | बस स्टाप, रेलवे स्टेशन, घरों के आसपास, सार्वजानिक स्थानों पर कूड़ादान रखे होने के बाद भी लोग कूड़ा कचरा कुड़ेदानो मे नही डालते है | सामुदायिक एवं निजी शोचालय होने के बाद भी लोगो की खुले मे जाने की प्रवृत्ति बनी हुई है इसलिए भारत सरकार ने पूरी गंभीरता के साथ महात्मा गाँधी जी के सपने एवं सोच को हकीकत रूप देने के लिए देश के सभी लोगो से सहयोग को लेने का प्रयास किया है इसी सोच को ध्यान मे रखते हुए भारत सरकार ने महात्मा गाँधी जी की जन्मतिथि 2 अक्टूबर को 2014 में "स्वच्छ भारत अभियान" की शुरुआत की और इस अभियान को 2 अक्टूबर 2019 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है |

इस अभियान के अंतर्गत भारत सरकार ने 11 करोड़ 11 लाख शोचालयो के निर्माण के लिए एक लाख चौतीस हज़ार करोड़ रूपये खर्च करने की योजना बनायी है| ठोस कचरा प्रबंधन के लिए 7366 करोड़ रूपये, जन सामान्य को जागरूक करने के लिए 1828 करोड़ रूपये खर्च करने का प्रस्ताव दिया है| इस

स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए भारत सरकार निम्नलिखित बिन्दुओ पर विशेष ध्यान दे रही है --

- भारत मे हर घर मे शोचालय उपलब्ध करना तथा खुले मे शोच करने की प्रवृति को समाप्त करना |
- अस्वास्थ्यकर शोचालयो को पानी से बहने वाले शोचालयो मे बदलना |
- हाथ द्वारा की जाने वाली मल सफाई की व्यवस्था को जड़ से समाप्त करना |
- नगर निगम के कचरे का पुर्नचक्रण और दुवारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन एवं वैज्ञानिक तरीके से मूल प्रबंधन को लागू करना |
- स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति भारत के लोगो की सोच और स्वभाव मे परिवर्तन लाना और स्वास्थ्यकर साफ सफाई की प्रक्रियाओ को शुरू करना |
- ग्रामीण क्षेत्रो मे रहने वाले लोगो मे वैश्विक जागरूकता का निर्माण करना तथा सामान्य लोगो को स्वच्छता से जोड़ना |
- स्थानीय स्तर पर कचरे के निष्पादन पर नियंत्रण करना तथा योजना तैयार करने मे लोगो की मदद करना |
- स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यमो से समुदायों एवं पंचायती राज संस्थानों को सफाई के प्रति जागरूक करना |
- स्वच्छ भारत अभियान मे अधिक से अधिक लोगो को जोड़ना एवं प्रत्येक व्यक्ति को अपने आस पास कम से कम 100 घंटे साफ सफाई के लिए समय देने के लिए प्रोत्साहन करना |

भारत के स्वच्छ भारत अभियान की झलक

भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए यह आवश्यक है कि देश के लोग अधिक से अधिक स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े, स्वच्छता के प्रति जागरूक हो| जब तक देश के लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक नही होगे तब तक भारत को गंदगी रहित एवं स्वच्छ नही बनाया जा सकता है| भारत के लोगो को स्वच्छता के ओर जागरूक करने तथा स्वयं सफाई करने के स्वभाव को विकसित करने मे अध्यापक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है| स्वच्छता को स्वभाव मे लाना तथा स्वच्छता के प्रति जागरुक होना एक मानसिक प्रक्रिया है जो शिक्षा द्वारा प्रभावित होती है तथा जो शिक्षक ही संभव कर

सकता है | अध्यापक ही विद्धार्थियो से अधिक संपर्क मे रहता है यहाँ तक कि विद्धार्थियो का अधिकतर समय घर की अपेक्षा शिक्षक के साथ गुजरता है | अतः अध्यापक छात्रो को अधिक प्रभावित करते है ऐसे मे यदि शिक्षक छात्रो को साफ सफाई, स्वच्छता आदि के प्रति जागरुक करे तो छात्र अधिक प्रभावित होगे तथा भारत सरकार का स्वच्छ भारत का सपना सफल हो सकेगा छात्रो को स्वच्छाता एवं स्वयं की साफ सफाई के प्रति जागरुक करने के लिए निम्नलिखित भूमिका निभा सकता है -

- शिक्षक, सेमिनार के माध्यम से स्वच्छाता की समस्याओ जैसे शोचालयो का लोगो द्वारा प्रयोग न करना, कूड़े कचरे को कुड़ेदानो मे न डालना, बिना कारण ही कूड़ा कचरा फैलाना आदि पर चर्चा करा सकता है तथा इन समस्याओ के समाधान के लिए व्यक्तियों को प्रेरित कर सकता है जिससे व्यक्ति साफ सफाई के लिए स्वयं जागरुक होगें और स्वच्छ भारत अभियान मे सहयोग प्रदान करेगें |
- शिक्षक, स्वच्छता के ऊपर कार्यशाला का आयोजन करा सकता है जिससे व्यक्तियों को इस प्रकार की जानकारी दे सकता है कि व्यक्ति किस प्रकार गीले कचरे और सूखे कचरे को अलग अलग रखे, किस प्रकार कचरे से कम्पोस्ट खाद बनाये | इस प्रकार से कूड़े कचरे का निस्तारण करने मे सहायता मिलेगी और व्यक्ति इन बातो को अपने स्वभाव मे ला सकेगा |
- शिक्षक, स्वच्छ भारत अभियान के ऊपर प्रदर्शनियों का आयोजन करके व्यक्तियों का ध्यान स्वच्छता की ओर खीच सकता है और व्यक्तियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक कर सकता है |
- शिक्षक, स्वच्छ भारत अभियान मे सहयोग देने हेतु रैलियों का आयोजन कर सकता है जिससे लोगो का ध्यान साफ सफाई की ओर आकर्षित किया जा सकेगा और लोग अपने आस पास साफ सफाई रखेगे शोचालयो का उपयोग करेगे जिससे स्वच्छ भारत अभियान सफल हो सकेगा |
- शिक्षक, नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से भी व्यक्तियों को साफ सफाई की ओर आकर्षित कर सकता है ऐसा करने से ग्रामीण स्तर पर भी लोग साफ सफाई की तरफ ध्यान देगे तथा स्वच्छ भारत अभियान सफल हो सकेगा |

- शिक्षक, लोगो को साफ सफाई की ओर आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार के मेलों का आयोजन करा सकता है जिससे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों, वस्तुओ आदि का प्रदर्शन करके लोगों को साफ सफाई का महत्त्व बता सकता है तथा लोगों को साफ सफाई के प्रति जागरुक कर सकता है जिससे स्वच्छ भारत अभियान सफल हो सकेगा|
- शिक्षक, साफ सफाई से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के खेलो का आयोजन कर सकता है जिससे छात्र खेलो के माध्यमो से साफ सफाई के प्रति जागरुक होगे तथा साफ सफाई पर ध्यान देगें |
- स्वच्छ भारत अभियान मे सहयोग देने के लिए अध्यापक छात्रो के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओ का आयोजन करा सकता है जैसे- निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता आदि ऐसा करने से छात्रो मे साफ सफाई के प्रति जागरूकता बढेगी तथा स्वच्छ भारत का सपना सफल हो सकेगा |
- शिक्षक, स्वयं भी साफ सफाई के छोटे छोटे कार्य करके छात्रों के सामने आदर्श प्रस्तुत करके छात्रों को भी साफ सफाई के लिए प्रेरित कर सकता है |
- शिक्षक, स्कूलों मे स्काउट-गाइड, एन०सी०सी०, एन०एस०एस० आदि कार्यक्रमों के माध्यमो से छात्रों को समाज सेवा एवं साफ सफाई करने के लिए प्रेरित कर सकता है जिससे छात्रो मे साफ सफाई के स्वभाव का विकास किया जा सकता है |
- शिक्षक, छात्रो को साफ सफाई का महत्त्व समझाने एवं साफ सफाई की आदत का विकास करने के लिए छात्रो को भ्रमण पर ले जा सकता है जहाँ पर अध्यापक उन्हें साफ जगह एवं गन्दी जगहों का ज्ञान करा सकता है जिससे छात्रो मे साफ सफाई के प्रति रूचि बढेगी तथा साफ सफाई करना छात्रो की आदत बन जायेगी ऐसा करने से छात्र गंदगी कम करेगे और साफ सफाई अधिक करेगे |

इस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने मे अन्य लोगो की अपेक्षा शिक्षक पर अधिक दायित्व है शिक्षक छात्रो के स्तर को पहचान कर, विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कराकर छात्रो को साफ सफाई के प्रति जागरूक कर सकता है तथा निम्नलिखित बातों के लिए छात्रो को प्रेरित कर सकता है --

- कूड़ा कचरा कूड़ेदान मे ही डाले |
- गीला एवं सूखा कूड़ा अलग अलग रखे |
- हमेशा शोचालय का प्रयोग करे |
- कम्पोस्ट खाद को अपनाये |
- अधिक से अधिक पेड़ लगाये |
- एक वर्ष मे अपने आसपास 100 घंटे साफ सफाई मे लगाये |
- साफ सफाई करने के लिए लोगो को प्रेरित करे |

अतः अध्यापक भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान मे महत्वपूर्ण भूमिका रखता है या यह कहा जा सकता है कि अध्यापक की भागीदारी के बिना स्वच्छ भारत अभियान अधूरा ही है |

Publish Research Article

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication.

Address:- North Asian International Research Journal Consortium (NAIRJC)
221, Gangoo Pulwama - 192301
Jammu & Kashmir, India
Cell: 09086405302, 09906662570,
Ph No: 01933212815
Email: nairjc5@gmail.com, info@nairjc.com
Website: www.nairjc.com